

कैंसर की 397 दवाओं के दाम घटे, 217 की कीमत आधे से भी कम, नई कीमतें 9 नवंबर से होंगी लागू



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की कीमतों को लेकर बड़ी राहत की खबर है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के फैसले के बाद 543 कैंसर दवा ब्रांड और पैक में से 397 की कीमतें घटाई गई हैं। इनमें 217 दवाओं के दाम आधे से भी कम हो गए हैं। पांच दवाओं की कीमतों में 90 प्रतिशत से अधिक कटौती की गई है। नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी। हालांकि, कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कई महंगी दवाओं की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दवाओं की कीमतों में यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब सुप्रीम कोर्ट लगातार दवा कंपनियों और

अस्पतालों की ओर से वसूले जा रहे भारी मुनाफे पर सवाल उठा रहा है। 27 अक्टूबर को अदालत ने दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) और खुदरा विक्रेताओं को मिलने वाली कीमतों के बीच बड़े अंतर पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट ने सवाल किया था कि पूरी व्यवस्था दवा निर्माताओं की मदद क्यों करती दिखाई दे रही है और सरकार की निगरानी में कीमतों को इस तरह बेलगाम कैसे छोड़ा जा सकता है।

कई दवाओं के दाम में भारी कटौती, कुछ अब भी महंगी

कीमतों में सबसे बड़ी कटौती सैमटेपा इंजेक्शन की बताई गई है। इसकी कीमत 80,071 रुपये से घटाकर 7,150 रुपये कर दी गई है। वहीं, पैलबोप्रो के 21 कैप्सूल वाले पैक का मूल्य 40,421 रुपये से घटकर 2,720 रुपये रह गया है। कुल 97 ब्रांड की कीमतों में 70 प्रतिशत से अधिक और 50 ब्रांड की कीमतों में 80 प्रतिशत से अधिक की कटौती हुई है। दूसरी ओर, 146 ब्रांड-पैक की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इनमें इम्यूनोथेरेपी की दवा कीटूडा भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल 21 से अधिक प्रकार के कैंसर के उपचार में किया जाता है। इसकी कीमत 2,16,500 रुपये बनी हुई है। स्तन कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली रिबोसाइक्लिन की कीमत भी 24,435 रुपये पर

बकरार है। टैग्रेसो, टेसेट्रिक, डार्जलेक्स और इम्फिजी जैसी दवाओं के दाम भी नहीं बदले हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने तीन सुनवाई में उठाए सवाल

कैंसर की दवाओं की कीमतों का मामला पिछले कुछ समय से सुप्रीम कोर्ट में चर्चा का विषय बना हुआ है। 29 सितंबर को सुनवाई के दौरान अदालत ने सवाल उठाया था कि 2,700 रुपये की कैंसर दवा की एमआरपी 27,000 रुपये कैसे हो सकती है। कोर्ट ने दवाओं की ऊंची कीमतों पर कड़ी नाराजगी जताई थी। 12 अक्टूबर को अदालत ने कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य के 30 प्रतिशत तक सीमित करने के केंद्र सरकार के फैसले पर भी सवाल किए। कोर्ट ने पूछा था कि जब कैंसर की दवाओं के मार्जिन पर सीमा लगाई जा सकती है, तो दूसरी दवाओं के मामले में ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार ने इस फैसले से मरीजों को सालाना लगभग 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान जताया था। 27 अक्टूबर को हुई सुनवाई में भी अदालत ने दवा की वास्तविक कीमत और मरीज से वसूले जाने वाले मूल्य के बीच अंतर पर चिंता जताई। दोनों मामलों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

सोने-चांदी में उतार-चढ़ाव: एक दिन में चांदी 4800 रुपए किलो टूटी, सोना भी फिसला



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सर्राफा बाजार में तीन दिन के कारोबार ने सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का रुख दिखाया है। 28 अक्टूबर को तेजी के बाद गुरुवार, 29 अक्टूबर को चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। चांदी टंच एक ही दिन में 4,800 रुपए प्रति किलो सस्ती होकर 1,88,500 रुपए पर आ गई। वहीं, सोना स्टैंडर्ड 750 रुपए प्रति 10 ग्राम गिरा। सोने में यह गिरावट चांदी के मुकाबले सीमित रही, लेकिन दोनों धातुओं के भाव में एक दिन पहले आई तेजी का असर कमजोर पड़ गया। उदयपुर सर्राफा एसोसिएशन के स्थानीय भाव के अनुसार, 27 अक्टूबर को चांदी टंच 1,92,800 रुपए प्रति किलो थी। 28 अक्टूबर को यह 500 रुपए बढ़कर 1,93,300 रुपए पहुंची, लेकिन 29 अक्टूबर को 4,800 रुपए टूट गई। इस तरह दो दिनों की तेजी के बावजूद तीन दिन में चांदी टंच कुल 4,300 रुपए प्रति किलो नीचे आ गई। सोने में भी पहले तेजी और फिर गिरावट का रुख रहा। 27 अक्टूबर को सोना स्टैंडर्ड (999) 1,41,950 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो 28 अक्टूबर को 1,43,000 रुपए पहुंच गया। इसके बाद 29 अक्टूबर को 750 रुपए गिरकर 1,42,250 रुपए रह गया। यानी तीन दिन में सोना स्टैंडर्ड अभी भी 300 रुपए प्रति 10 ग्राम ऊपर है।

चांदी में गिरावट ज्यादा, सोने में सीमित उतार-चढ़ाव

चांदी चौरसा के भाव भी 28 अक्टूबर के 1,92,250 रुपए से गिरकर 29 अक्टूबर को 1,87,400 रुपए प्रति किलो रह गए। इसमें एक दिन में 4,850 रुपए की गिरावट आई। तीन दिन की तुलना करें तो चौरसा चांदी 4,350 रुपए प्रति किलो सस्ती हुई। सोने की अन्य श्रेणियों में भी 29 अक्टूबर को गिरावट रही। जेवराती सोना (23 कैरेट) 720 रुपए घटकर 1,36,560 रुपए प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 690 रुपए गिरकर 1,30,870 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। हालांकि, 27 अक्टूबर के मुकाबले दोनों श्रेणियों के भाव अब भी क्रमशः 290 रुपए और 275 रुपए अधिक हैं।

इंडिगो का घाटा 27% घटकर 1,879 करोड़, ईंधन महंगा होने से टिकट और महंगे होने के आसार



24 न्यूज अपडेट

मुंबई। इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरनेशनल एविएशन लिमिटेड का वित्त वर्ष 2027 की सितंबर तिमाही में कंसोलिडेटेड नेट लॉस 27% घटकर 1,879 करोड़ रह गया। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 2,582 करोड़ का घाटा हुआ था। इस बार कंपनी का घाटा बाजार के 2,063 करोड़ के अनुमान से भी कम रहा। कंपनी का प्रदर्शन रेवेन्यू के मोर्चे पर भी बेहतर रहा। सितंबर तिमाही में रेवेन्यू 25.9% बढ़कर 23,364 करोड़ पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 18,555 करोड़ था। वहीं, EBITDAR 120.8% की बढ़ोतरी के साथ 2,459.9 करोड़ रहा। इसका मार्जिन भी पिछले साल के 6% से बढ़कर 10.5% हो गया। हालांकि, महंगे ईंधन ने एयरलाइन की लागत बढ़ा दी है। कंपनी के कुल खर्च में ईंधन की हिस्सेदारी करीब 40% है। इंडिगो के सीईओ विली वॉल्श ने कहा कि फ्यूल विल में भारी बढ़ोतरी के कारण टिकटों के किराए बढ़ाने के अलावा विकल्प सीमित हो गए हैं। इंडिगो 6 अक्टूबर से टिकटों पर अतिरिक्त फ्यूल चार्ज लागू कर चुकी है। घरेलू उड़ानों में दूरी के अनुसार 375 से 1,300 और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में गंतव्य के आधार पर 1,000 से 10,000 तक चार्ज लगाया गया है। दक्षिण-पूर्व एशिया, खाड़ी देशों और पूर्वी एशिया की उड़ानों पर 5,500, जबकि यूरोप की उड़ानों पर 10,000 तक अतिरिक्त चार्ज निर्धारित किया गया है। ईंधन की कीमतों में तेजी जारी रहने पर हवाई यात्रियों की जेब पर और बोझ पड़ सकता है।

बुजुर्ग दंपती से 1.70 करोड़ की ठगी करने वाला तीन साल से फरार इनामी आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 29 अक्टूबर। बुजुर्ग दंपती से 1 करोड़ 70 लाख रुपए की ठगी के मामले में अम्बामाता थाना पुलिस ने तीन साल से फरार चल रहे 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी प्रभुसिंह कितावत को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने कपड़ों के शोरूम खोलने और भारी मुनाफे का लालच देकर वर्ष 2020 से 2022 के

बीच दंपती से नकद और बैंक खातों के जरिए रकम ली थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी प्रभुसिंह पहले फतहपुरा निवासी परिवारी कमल किशोर पारीक के मकान में किराएदार बनकर रहा था। इस दौरान उसने परिवार से नजदीकी संबंध बना लिए। बाद में कपड़ों के शोरूम खोलने और निवेश पर मोटा मुनाफा देने का झांसा देकर बुजुर्ग दंपती से बड़ी रकम ऐंठ ली। जब दंपती ने पैसे वापस मांगे तो आरोपी ने उन्हें ऐसे चेक दिए, जो बैंक में वाउंस हो गए। इसके बाद आरोपी शोरूम बंद कर फरार हो गया।

तकनीकी सहायता से पकड़ा गया आरोपी

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन

में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा और वृत्ताधिकारी नगर पश्चिम राजेश यादव के सुपरविजन में अम्बामाता थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी सहायता से 28 अक्टूबर को आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ अम्बामाता थाने में दो और सुखर थाने में एक प्रकरण दर्ज है। पुलिस रिमांड के दौरान ठगी की रकम और अन्य पहलुओं को लेकर पूछताछ की जा रही है।

इनकी रही कार्रवाई में भूमिका

कार्रवाई करने वाली टीम में अम्बामाता थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह, सहायक उपनिरीक्षक रणजीत सिंह, हेड कांस्टेबल रामजीलाल, गोविन्द सिंह, कांस्टेबल राजकमल, नन्दकिशोर, नरेन्द्र सहारण, निलेश, सुखर थाने के कांस्टेबल श्यामलाल, कांस्टेबल प्रकाश और धर्मपाल शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, हेड कांस्टेबल रामजीलाल की इस कार्रवाई में विशेष भूमिका रही। गिरफ्तार आरोपी प्रभुसिंह कितावत (31) पुत्र भेरूसिंह, निवासी भीमल खेड़ा, थाना मावली, जिला उदयपुर है।

पाकिस्तान में हिंदू आबादी 1.7% रह जाने का दावा, हिंसा और जबरन धर्मांतरण पर रिपोर्ट में चिंता



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की आबादी, धार्मिक स्वतंत्रता और संपत्ति अधिकारों को लेकर ब्रिटिश हिंदू संगठन इनसाइट यूके की एक रिपोर्ट ने चिंता जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, 1941 में आज के पाकिस्तान के क्षेत्र में हिंदुओं की आबादी 14.6 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 1.7 प्रतिशत रह गई है। संगठन ने इस गिरावट के पीछे विभाजन के दौरान हुई हिंसा, विस्थापन और जबरन धर्मांतरण जैसे कारणों

का उल्लेख किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1947 के विभाजन और उसके बाद हजारों हिंदू परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े। कई परिवार अपनी पुश्तैनी जमीन और खेतों से भी वंचित हो गए। संगठन ने पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ब्रिटिश सरकार से कदम उठाने की मांग की है।

पुश्तैनी जमीनों पर कब्जे का भी आरोप

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विभाजन के बाद विस्थापित हुए हिंदू परिवारों की संपत्तियां पाकिस्तान के एनिमी प्रॉपर्टी कानूनों के तहत सरकारी नियंत्रण में चली गई। संगठन के मुताबिक, इससे कई परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई और समुदाय के सामने आजीविका का संकट गहराया। रिपोर्ट में धार्मिक स्वतंत्रता पर कथित प्रतिबंधों और जबरन धर्मांतरण की घटनाओं को भी प्रमुखता से उठाया

गया है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री पद को लेकर भी सवाल

इनसाइट यूके की रिपोर्ट में पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 41 और 91 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बनने के लिए मुस्लिम होना अनिवार्य है। रिपोर्ट में 2019 में इन प्रावधानों में बदलाव के लिए लाए गए विधेयक का भी जिक्र है, जो आगे नहीं बढ़ सका। संगठन ने पासपोर्ट प्रक्रिया में धर्म बताने की अनिवार्यता और इस्लामाबाद में हिंदू मंदिर निर्माण की अधूरी योजना पर भी सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020 में मंदिर निर्माण को मंजूरी मिलने के बाद विरोध के चलते काम रुक गया था।

आंकड़ों में क्या कहती है

पाकिस्तान की जनगणना ?

पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में हिंदू जति की आबादी 38.67 लाख यानी कुल आबादी का लगभग 1.61 प्रतिशत दर्ज की गई है। अनुसूचित जातियों को जनगणना में अलग श्रेणी में दर्ज किया गया है। इसलिए रिपोर्ट में बताए गए 1.7 प्रतिशत के आंकड़े को आधिकारिक जनगणना की श्रेणियों के संदर्भ में समझना जरूरी है।

संपादकीय : बेलगाम कीमतें

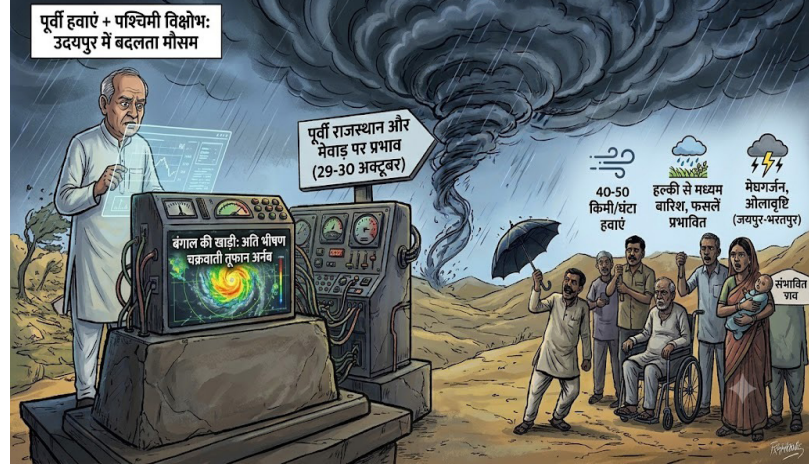
देश ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में काफी प्रगति की है, मगर आज भी यहां आम नागरिकों को किफायती और बेहतर इलाज की सुविधाएं मिल पाना किसी चुनौती से कम नहीं है। बीमार हालत में अस्पताल में भर्ती होने और जांच कराने के शुल्क के साथ दवाओं की बढ़ती कीमतें मरीजों की जेब पर भारी पड़ रही हैं। चिंता की बात यह है कि कई दवाओं की निर्माण लागत तथा उनके अधिकतम और खुदरा मूल्यों के बीच इतना ज्यादा अंतर होता है कि उनकी कीमतें मरीजों की पहुंच से ही दूर हो जाती हैं। सवाल है कि जब दवाओं के निर्माण में अपेक्षाकृत कम खर्च आता है, तो बाजार में उनका अधिकतम मूल्य कई गुना ज्यादा क्यों तय किया जाता है ? सर्वोच्च न्यायालय ने भी बीते मंगलवार को इसी चिंता को रेखांकित करते हुए सरकार से पूछा कि क्या दवा निर्माताओं को इस तरह की मनमानी करने की छूट दी जा सकती है ! साथ ही यह सवाल भी किया कि पूरी व्यवस्था दवा निर्माताओं की मदद करने के लिए क्यों काम कर रही है ? गौरतलब है कि किसी भी दवा के निर्माण की लागत में कच्चे माल, अनुसंधान, परीक्षण, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और वितरण पर होने वाला खर्च तथा मुनाफा शामिल होता है। इसलिए उसकी वास्तविक निर्माण लागत और अंतिम बिक्री मूल्य में अंतर होता है। मगर जब यह अंतर असाधारण रूप से अधिक हो जाता है, तो दवा की कीमत तय करने की प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कुछ दवाओं के मामले में एक ही औषधीय घटक विभिन्न निर्माताओं की ओर से अलग-अलग कीमतों पर बेचा जाता है। ऐसे में मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए यह समझना

संरक्षण पर सवाल

मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान से निकलकर मुरैना पहुंचे उन्नीस माह के चीते की गोली लगने से मौत की घटना ने भारत में चीतों को फिर से बसाने की महत्वाकांक्षी परियोजना की निगरानी पर ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच का विषय सिर्फ यह नहीं है कि इस चीते को गोली किसने मारी, बल्कि इस बात की भी गहराई से तहकीकात की जानी चाहिए कि आखिर यह वन्य प्राणी राष्ट्रीय उद्यान के अपने आवास स्थल से बाहर कैसे निकला। जब विदेश से लाए गए इन चीतों को संरक्षित वन क्षेत्र में रखा गया है और नियमित तौर पर इनकी निगरानी करने की व्यवस्था है, तो फिर इनकी सुरक्षा इस तरह की चूक कैसे हो सकती है ! प्रदेश सरकार ने इस घटना की छानबीन के लिए विशेष जांच दल गठित किया है और केंद्र सरकार ने भी उच्चस्तरीय दल जांच के लिए भेजा है। मगर सवाल है कि शासन के स्तर पर जिस तरह की गंभीरता एवं सक्रियता अब दिखाई जा रही है, वह घटना से पहले जमीन पर क्यों नहीं दिखी ? गौरतलब है कि यह चीता बीते 25 अक्टूबर

मुश्किल हो जाता है कि मंहंगी दवा वास्तव में कितनी बेहतर है और उसकी अधिक कीमत के पीछे क्या कारण हैं। खासकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज से संबंधित दवाओं के अधिकतम और खुदरा मूल्यों में भारी अंतर की वजह से इनकी कीमतें बढ़ा दी जाती हैं। हालांकि, दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण मौजूद है, लेकिन शीर्ष अदालत ने इसकी कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि यह पूरी तरह से निष्क्रिय संस्था प्रतीत होती है। अहम सवाल यह है कि आम लोगों को सस्ते इलाज की सुविधा मुहैया कराने के दावों के अनुरूप सरकार को जो काम खुद करना चाहिए था, उसके लिए सर्वोच्च न्यायालय को निर्देश क्यों देना पड़ रहा है! यही नहीं, सरकार को इस मामले में उस वक्त अदालत की तीखी टिप्पणियों का सामना करना पड़ा, जब उसकी ओर से कहा गया कि पूरी व्यवस्था को नियंत्रित करना ठीक नहीं होगा। अदालत का यह सवाल वाजिब है कि जब दवाओं की अधिकतम और खुदरा कीमतों में चार सौ फीसद या उससे भी ज्यादा का अंतर होता है, तो इसके बीच का पैसा कहा जाता है? जाहिर है कि आम मरीज और उनके परिजन ज्यादा मोल- भाव करने की स्थिति में नहीं होते और उन्हें दवाओं के लिए अधिक मूल्य चुकाना पड़ता है। कई बार तो मंहंगी दवा नहीं खरीद पाने की वजह से मरीज की जान तक चली जाती है। ऐसे में जरूरी है कि बाजार में दवाओं के मूल्य निर्धारण के लिए संतुलित नीति और प्रभावी व्यवस्था की जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, क्योंकि स्वास्थ्य सेवा को केवल बाजार और मुनाफे के नजरिए से नहीं देखा जा सकता।

कमजोर पड़ा चक्रवाती तूफान, उदयपुर में बदलेगा मौसम, 40 से 50 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, कई इलाकों में बारिश के आसार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। चक्रवाती तूफान 'अर्णव' कमजोर होकर अवदाब में तब्दील हो चुका है और वर्तमान में

दक्षिणी छत्तीसगढ़ के ऊपर स्थित है। अगले 24 घंटों में इसके और कमजोर होने की प्रबल संभावना है। वहीं, नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में प्रेरित परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके असर से

डूंगरपुर जिला अस्पताल में ठेका कर्मचारियों की हड़ताल, 5,800 रुपए मानदेय मिलने पर भड़का आक्रोश



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिला अस्पताल में गुरुवार को मानदेय में कटौती और भुगतान संबंधी समस्याओं से नाराज ठेका कर्मचारियों ने काम का बहिष्कार कर प्रदर्शन किया। दीपावली से पहले बैंक खातों में अपेक्षा से काफी कम राशि आने पर कर्मचारियों का आक्रोश फूट पड़ा। वार्ड बॉय, हेल्पर, कंप्यूटर ऑपरेटर, नर्सिंगकर्म, फार्मासिस्ट और लैब टेक्नीशियन अस्पताल के मुख्य गेट पर एकत्र हो गए

और नारेबाजी शुरू कर दी। कर्मचारियों के कार्य बहिष्कार से अस्पताल की सेवाएं प्रभावित हुईं और उपचार के लिए पहुंचे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह करीब 10 बजे शुरू हुए प्रदर्शन के दौरान प्रिंसिपल डॉ. एस. बाला मुरुगनवेलु अस्पताल पहुंचे तो कर्मचारियों ने मुख्य गेट बंद कर दिया। कर्मचारियों का कहना था कि लंबे समय से मानदेय का भुगतान नहीं होने के बाद दीपावली से पहले ठेका एजेंसी ने दो महीने की राशि खातों में डाली, लेकिन कई कर्मचारियों को महज 5800 रुपए ही मिले। इतनी कम राशि में

परिवार का खर्च चलाना, बच्चों की फीस भरना और जरूरी घरेलू सामान खरीदना मुश्किल है। प्रदर्शन की सूचना पर कोतवाली पुलिस अस्पताल पहुंची और कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया। मामले को लेकर मेडिकल कॉलेज से अकाउंटेंट को बुलाया गया। अकाउंटेंट ने कर्मचारियों को बताया कि राजभेस के आदेश के अनुसार मानदेय में कटौती की गई है। हालांकि, कर्मचारी इस जवाब से संतुष्ट नहीं हुए। प्रिंसिपल और कर्मचारियों के बीच दोपहर बाद तक बातचीत चलती रही। प्रिंसिपल ने दो दिन में कटौती की गई राशि का भुगतान कराने का आश्वासन दिया, लेकिन कर्मचारी इस भरोसे पर काम पर लौटने के लिए सहमत नहीं हुए।

राजस्थान में पहली बार रिटायर अग्निवीर को पुलिस कांस्टेबल बनने का मौका, संदीप शर्मा को मिला प्रोविजनल ऑफर

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान में सेवानिवृत्त अग्निवीरों के लिए पुलिस में भर्ती का रास्ता खुलता नजर आ रहा है। जयपुर के कालवाड़ निवासी संदीप शर्मा को राजस्थान पुलिस मुख्यालय के भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड ने कांस्टेबल पद के लिए प्रोविजनल ऑफर ऑफ अपॉइंटमेंट जारी किया है। इसे प्रदेश में इस तरह का पहला मामला बताया जा रहा

है। हालांकि, नियुक्ति अंतिम रूप से पात्रता, योग्यता और सेवा संबंधी दस्तावेजों की जांच पर निर्भर करेगी। पुलिस विभाग की ओर से जारी प्रस्ताव में राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग की 15 अक्टूबर 2026 की अधिसूचना और गृह विभाग के 17 अक्टूबर के पत्र का हवाला दिया गया है। पत्र पर पुलिस उप महानिरीक्षक (भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड), राजस्थान, जयपुर मनोज कुमार के हस्ताक्षर हैं।

दस्तावेजों की जांच के बाद आगे बढ़ेगी प्रक्रिया
प्रोविजनल ऑफर प्राप्त करने वाले संदीप शर्मा को 1 से 10 दिसंबर 2026 के बीच किसी भी दिन पुलिस मुख्यालय स्थित भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। उन्हें शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, मूल निवास प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड और अग्निवीर सेवा से सेवानिवृत्ति का प्रमाण-पत्र मूल रूप में साथ लाना होगा।

उदयपुर में शाही शादियों के बीच बढ़इंतजामी! दूध तलाई पार्किंग में गंदगी के ढेर, भारी ट्रकों से लोग परेशान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर में डेस्टिनेशन वेडिंग की चमक के बीच शहर की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े होने लगे हैं। दूध तलाई स्थित माणिक्य लाल बर्मा पार्क के पास पार्किंग और घाटी क्षेत्र में शादी समारोह के लिए पहुंचे भारी ट्रकों की आवाजाही और लोडिंग-अनलोडिंग के बाद गंदगी के ढेर जमा हो गए हैं। प्लास्टिक और अन्य कचरा फैलने से स्थानीय लोगों और मॉर्निंग वॉक पर आने वालों को परेशानी का सामना करना

पड़ रहा है। दरअसल, दीपावली के बाद शहर में शादियों के बड़े आयोजन शुरू हो गए हैं। इन आयोजनों के लिए साज-सज्जा का सामान लेकर बड़ी संख्या में ट्रक और लगजरी गाड़ियां उदयपुर पहुंच रही हैं। हाल ही में हुए एक बड़े शादी समारोह के लिए दूध तलाई क्षेत्र में कई भारी वाहन खड़े किए गए थे। इनमें से कई वाहन अब रवाना हो चुके हैं, लेकिन उनके जाने के बाद भी क्षेत्र में फैली गंदगी साफ नहीं हुई है। लोगों का सवाल है कि निजी आयोजनों की तैयारियों और उनके बाद फैली अव्यवस्था का खामियाजा आम नागरिकों और पर्यटकों को क्यों भुगतना पड़े? आयोजन पूरा होने के बाद संबंधित इवेंट कंपनियों और आयोजकों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, ताकि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैले और सफाई व्यवस्था बनी रहे।

उदयपुर, गुरुवार 29अक्टूबर 2026

2

उदयपुर सहित पूर्वी राजस्थान के कई संभागों में बादल छांने, मेघगर्जन और बारिश की गतिविधियां होने की संभावना है।

उदयपुर सहित पूर्वी राजस्थान के कई संभागों में बादल छांने, मेघगर्जन और बारिश की गतिविधियां होने की संभावना है।

उदयपुर संभाग में भी बारिश के आसार

मौसम अपडेट के अनुसार, 29 अक्टूबर को भरतपुर, जयपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने तथा हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल सकता है। जयपुर और भरतपुर संभाग के उत्तरी हिस्सों में मध्यम से तेज बारिश के साथ कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की भी संभावना बताई गई है। मौसम में इस बदलाव के चलते अगले 24 घंटों में

अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की प्रबल संभावना है।

30 अक्टूबर को भी जारी रह सकता है बारिश का दौर

पूर्वी राजस्थान में 30 अक्टूबर को भी मौसम का बदला मिजाज बना रह सकता है। जयपुर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा और अजमेर संभाग के कुछ हिस्सों में मेघगर्जन और तेज हवाओं के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के पूर्वी हिस्सों में भी 29 और 30 अक्टूबर को बादल छांने तथा मेघगर्जन के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, सीमावर्ती क्षेत्रों के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है।

सेंट पॉल स्कूल में कला प्रदर्शनी मेले में विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सेंट पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित कला प्रदर्शनी मेले में विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा, कल्पनाशीलता और सृजनात्मक कौशल देखने को मिला। विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और रचनात्मक सोच से तैयार कलाकृतियों के माध्यम से कला के प्रति रुचि और अभिरुचि का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि पायरोटेक कंपनी के डायरेक्टर एवं मैनेजर सी.पी. तलेसरा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय-2 के चित्रकला विभाग के व्याख्याता नवल सिंह उपस्थित रहे। वहीं, मेगी डिसूजा और नैन्सी शर्मा सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुईं। मुख्य अतिथि सी.पी. तलेसरा ने अपने करूँते हुए सेंट पॉल स्कूल में बिताए बचपन के दिनों को याद किया। उन्होंने विद्यार्थियों की कलाकृतियों का अवलोकन

कर उनकी मेहनत, लगन और रचनात्मक सोच की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को सामने लाने, कौशल विकसित करने और आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन की सराहना की। विद्यालय के प्राचार्य फादर ए. जॉन बॉस्को और प्रबंधक फादर स्टीफन रावत ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर और उपरना ओढ़ाकर स्वागत किया। प्रदर्शनी के आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के साथ उनमें कल्पनाशीलता और सृजनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। आयोजन ने शिक्षा के साथ कला एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के महत्व को भी रेखांकित किया। प्रदर्शनी के संयोजक कला शिक्षक प्रहलाद वैष्णव और अर्चना ओझा रहे।

पेंटेड स्टॉर्क पर शोध के लिए महेश वैष्णव को मिली पीएचडी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर की ओर से पेंटेड स्टॉर्क की जनसंख्या स्थिति, आहार और प्रजनन व्यवहार पर शोध कार्य के लिए महेश वैष्णव को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने यह शोध राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर के प्राणिशास्त्र विभाग की प्रोफेसर डॉ. अपर्णा कुमावत के निर्देशन

में पूरा किया। शोध का मुख्य उद्देश्य पाली जिले में पेंटेड स्टॉर्क की वर्तमान जनसंख्या स्थिति का आकलन करना, उसके आहार और प्रजनन व्यवहार का अध्ययन करना तथा संरक्षण के लिए वैज्ञानिक सुझाव प्रस्तुत करना था। इसके लिए क्षेत्रीय सर्वेक्षण, प्रत्यक्ष अवलोकन और आंकड़ों के विश्लेषण जैसी शोध विधियों का उपयोग किया गया। शोध में आईभूमियों के महत्व और पक्षियों के प्राकृतिक आवासों के संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। आईभूमियां पक्षियों को भोजन, प्रजनन और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों का संरक्षण पेंटेड स्टॉर्क जैसी पक्षी प्रजातियों के दीर्घकालीन संरक्षण के लिए आवश्यक है।



वॉशिंग पाउडर की बाल्टियों की आड़ में शराब तस्करी, 50 कार्टन जब्त



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बॉशिंग पाउडर की बाल्टियों की आड़ में अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी का मामला सामने आया है। गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने डिलीवरी कंपनी के वेयरहाउस पर कार्रवाई करते हुए शराब के करीब 50 कार्टन जब्त किए हैं। जब्त

शराब की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां सप्लाई किया जाना था। पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर को गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र स्थित एक डिलीवरी कंपनी के बेयरहाउस से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस टीम

विदेशी नागरिकों की जानकारी छिपाना पड़ा भारी, 'होटल सिटी प्राइड' संचालक के खिलाफ केस दर्ज



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 29 अक्टूबर। विदेशी पंजीकरण अधिकारी सीआईडी विंग जोन उदयपुर की टीम ने नियमों का उल्लंघन करने वाले होटल संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में उदयपुर के होटल सिटी प्राइड (सेक्टर 14, गोवर्धन विलास) के संचालक के खिलाफ आग्रजन एवं विदेशी अधिनियम (इमीग्रेशन एवं फॉरिनर्स एक्ट 2025) के तहत मामला दर्ज किया गया है। होटल प्रबंधन पर विदेशी पर्यटकों के ठहरने की अनिवार्य सूचना (फार्म 3/ सी फार्म) पुलिस और संबंधित विभाग को न देने का आरोप है क्या है पूरा मामला? अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं विदेशी पंजीकरण अधिकारी डॉ. विक्रम सिंह के निर्देशन में पुलिस निरीक्षक श्रीमती अनीता शर्मा और उप निरीक्षक श्री धर्मेन्द्र कुमार की टीम को एक मुखबिर से खास सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 19 अक्टूबर 2026 को चुंगी नाका के पास, सेक्टर 14 स्थित 'होटल सिटी प्राइड' पर औचक छापा मारा। चेकिंग के दौरान होटल में थाईलैंड मूल की 03 महिलाएं सुफाओवाडी बुनयोग, साईचोन सासुक, जंजीरा बोंगहाकाएव ठहरी पाई गई।

ओवरस्टे कर रही थीं
थाईलैंड की महिलाएं

जब पुलिस टीम ने इन तीनों विदेशी महिलाओं के वीजा और पासपोर्ट दस्तावेजों की जांच की, तो सामने आया कि वे भारत में अपनी

गांजा तस्करी का मुख्य सप्लायर रमेश कुमार गिरफ्तार, सात महीने से था फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 29 अक्टूबर। अम्बामाता थाना पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में सात महीने से फरार चल रहे कथित मुख्य सप्लायर रमेश कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे 13 फरवरी 2026 को गांजे के साथ पकड़े गए युवक से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर तलाश रही थी। पुलिस के अनुसार, 13 फरवरी को गश्त के दौरान पिछोला रूप क्षेत्र से 18 वर्षीय कृष्णा उर्फ कार्तिक को 1.102 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में उसने बताया कि गांजा रमेश कुमार से खरीदकर लाया था। इसके बाद से पुलिस

मौके पर पहुँची और जांच की। तलाशी के दौरान वॉशिंग पाउडर की बाल्टियों में छिपाकर रखी गई शराब बरामद हुई। तस्करी में इस्तेमाल किए गए इस तरीके का उद्देश्य शराब को सामान्य सामान की खेप के बीच छिपाकर ले जाना और जांच से बचना माना जा रहा है। हालाँकि, इस तरीके के पीछे की वास्तविक मंशा और शराब के परिवहन से जुड़े तथ्यों की जांच जारी है।

तीन ब्रांड की विहस्की और फ्लेवर्ड वोडका बरामद

पुलिस की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, जव्त शराब में 8PM विहस्की की 180 एमएल की 1651 बोतलें, मिडनाइट मैगो फ्लेवर्ड बोडका की 180 एमएल की 14 बोतलें, ऑफिसर्स चॉइस विहस्की की 7 बोतलें और ग्रीन लेबल विहस्की की 4 बोतलें शामिल हैं। इस तरह कुल 2386 बोतलें जब्त की गईं। पुलिस ने शराब पीने अनुमति कीमत करीब 3 लाख रुपये तार्ताई है।

आबकारी अधिनियम में

फोटो जर्नलिस्ट और उनके बेटे से मारपीट के आरोपी दोनों भाई गिरफ्तार, पैर में प्लास्टर के साथ मजिस्ट्रेट के सामने पेशी, जमानत पर रिहा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। लालघाट रोड पर फोटो जर्नलिस्ट प्रमोद सोनी और उनके बेटे दीपक सोनी के साथ मारपीट के मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपी भाइयों को गुरुवार को घंटाघर थाना पुलिस ने कोर्पायलक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया। आरोपियों सिद्धीक और तारीफ के पैरों में प्लास्टर बंधा था और वे लंगड़ाते हुए अदालत पहुंचे। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के दौरान भागने की कोशिश में दोनों सिद्धियों से फिसलकर गिर गए थे, जिससे उनके पैरों में चोट आई। मजिस्ट्रेट के समक्ष पेशी के बाद दोनों को जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, दोनों को खिलाफ पहले से भी कई मामले दर्ज हैं।

प्री-वेडिंग शूट रोकने को लेकर हुआ था विवाद

घटना बुधवार सुबह गणगौर घाट के पास लालघाट रोड की है। फोटो जर्नलिस्ट प्रमोद सोनी के बेटे दीपक अपने दोस्तों नितेश और

ऑपरेशन त्रिनेत्र: प्रतापगढ़ में तस्कर बादशाह खान की 81.60 लाख की संपत्ति फ्रीज



24 न्यूज अपडेट

प्रतापगढ़, 29 अक्टूबर। मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई करते हुए प्रतापगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत आरोपी बादशाह खान की 81.60 लाख रुपए की संपत्ति फ्रीज कराई है। इसमें कोटडी गांव में बना करीब 80 लाख रुपए का मकान और दो मोटरसाइकिल शामिल हैं। आरोपी के खिलाफ प्रतापगढ़ और सिरौही जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत पांच प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, जिला पुलिस अधीक्षक विशाल जांगड़ के निदेशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयदेव सियाग के मार्गदर्शन में कोटडी थाना अधिकारी ठाकराराम ने संपत्ति फ्रीज करने का प्रस्ताव तैयार कर सश्रम प्राधिकारी एवं एडमिनिस्ट्रेटर, सफेमा-एफओपी एवं एनडीपीएस एक्ट, नई दिल्ली को भेजा

मामला दर्ज

मामले में प्रकरण संख्या 299/ 2026 के तहत राजस्थान आबकारी अधिनियम की धारा 19/ 54 सहित अन्य संबंधित प्रावधानों में केस दर्ज किया गया है। पुलिस शराब के स्रोत, परिवहन, भंडारण और संभावित खरीदारों के बारे में जानकारी जुटा रही है। जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि इस खेप के पीछे कोई संगठित तत्त्वका नैटवर्क सक्रिय था या नहीं।

पुलिस टीम ने की कार्रवाई

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन
के निर्देशानुसार और वरिष्ठ अधिकारियों के
सुपरविजन में गोवर्धन विलास थाना पुलिस
ने यह कार्रवाई की।

पलिस टीम थाना गोवर्धनविलास:-

1. श्री सुनिल चारण पु.नि. थानाधिकारी
गोवर्धनबिलास
2. श्री विरेन्द्र कुमार सजनि
3. श्री धर्मवीरसिंह सजनि
4. श्री अंकितसिंह कानि 1719 आसुचना
अधिकारी
5. श्री सुनिल कुमार कानि 2639
6. श्री संदीप कुमार कानि न 3097

कुराबड़ में व्यक्ति को अगवा कर मारपीट करने का मामला दर्ज

उदयपुर। कुराबड़ थाना क्षेत्र के खारवा गांव में एक व्यक्ति को कथित रूप से अगवा कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने परिवादी छद्मनलाल मीणा की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, खारवा निवासी छद्मनलाल मीणा ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उनका अपहरण कर मारपीट की। मामले में खारवा निवासी भंवर मीणा सहित अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। पुलिस ने प्रकरण संख्या 175/2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 115(2), 126(2), 127(2) और 140(3) के तहत मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक कार्यालय के माध्यम से डाक से प्राप्त हुई थी। मामले का अनुसंधान हेड कांस्टेबल रमेशचंद्र कर रहे हैं।

चित्रकूट भवन परिसर में चोरी, सुखरेर पुलिस ने दर्ज किया मामला

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र स्थित चित्रकूट भवन परिसर में चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने विवेक कुमार (38) पुत्र जब्बलाल, निवासी उदयखेड़ा, थाना वल्लभनगर की रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, प्रकरण संख्या 464/ 2026 भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत दर्ज किया गया है। हालांकि, उपलब्ध विवरण में चोरी गई वस्तु और घटना से संबंधित अन्य परिस्थितियों का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। मामले का अनुसंधान सहायक उपनिरीक्षक हरिशचंद्र कर रहे हैं।

कैलाशपुरी मोड़ पर थार कार चालक के खिल्लाफ मामला दर्ज

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र के कैलाशपुरी मोड़ पर थार कार के चालक द्वारा कथित रूप से लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, समदड़ा लसानी, थाना देवगढ़, जिला राजसमंद निवासी जगदीशचंद रेगर (39) पुत्र नारायणलाल की रिपोर्ट पर अज्ञात थार कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। रिकॉर्ड के मुताबिक, दुर्घटना 27 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब 3 बजे हुई। पुलिस ने प्रकरण संख्या 465/ 2026 में वीएनएस की धाराओं 281 और 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है। अनुसंधान हेड कांस्टेबल श्रवण कुमार कर रहे हैं।

सहेलीनगर में महिला की मोटरसाइकिल चोरी

उदयपुर। अंबामाता थाना क्षेत्र के सहेलीनगर में एक महिला की मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने परिवारिया ललिता जाट (54) पत्नी स्वर्गीय हीरालाल जाट, निवासी मकान नंबर 10, सहेलीनगर की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, अज्ञात चोर परिवारिया की मोटरसाइकिल चुराकर ले गए। प्रकरण संख्या 410/ 2026 में बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उपलब्ध रिकॉर्ड में परिवारिया के निर्माणधीन मकान से कॉपर वायर चोरी होने का उल्लेख भी है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि यह उसी प्रकरण से संबंधित है या अलग घटना है। मामले का अनुसंधान हेड कांस्टेबल भरत सिंह कर रहे हैं।

सहेली मार्ग स्थित आर्ट गैलरी से कलाकृतियां और लैम्प चोरी

उदयपुर। अजामाता थाना क्षेत्र में सहेली मार्ग स्थित आर्ट गैलरी से कलाकृतियां और एक लैम्प चोरी होने का मामला सामने आया है। अज्ञात बदमाशों ने श्याम आर्ट्स से कलाकृतियां और लैम्प चुरा लिया। पुलिस ने प्रोपराइटर की रिपोर्ट पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, श्याम आर्ट्स के प्रोपराइटर हेमेश्वर पुजारी पुत्र श्यामलाल, निवासी मकान नंबर 2, शतदल, सहेलियों की बाड़ी, सहेली मार्ग ने रिपोर्ट दी कि अज्ञात बदमाश उनकी आर्ट गैलरी से कुछ कलाकृतियां और एक लैम्प चुराकर ले गए। घटना 28 अक्टूबर को प्रकरण संख्या 411/ 2026 में भारतीय न्याय संहिता (वीएनएस) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस चोरों और चोरी गए सामान का पता लगाने में जुटी है।



विधायक जैन का प्रतिकार, बोले- चौराहे का मेंटेनेंस करने से नामकरण का अधिकार नहीं मिलता, सरकार की मंजूरी जरूरी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शोभागपुरा में नवनिर्मित चौराहे के नामकरण को लेकर उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने स्पष्ट किया कि किसी चौराहे का निर्माण या उसका रखरखाव करने मात्र से उसका नामकरण करने का अधिकार नहीं मिल जाता। नामकरण के लिए नियमानुसार प्रक्रिया अपनाकर राज्य सरकार से अनुमति लेना जरूरी है। उन्होंने उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शोभागपुरा चौराहे के नामकरण की फाइल सक्षम स्तर पर भेजी जाए और स्थानीय जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार की स्वीकृति के बाद ही नाम तय किया जाए। विधायक ताराचंद जैन ने यूडीए आयुक्त अभिषेक खन्ना और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर शहर में चल रहे विकास कार्यों, सड़क चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था सुधारने की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में शोभागपुरा चौराहे के साथ शहर

के कई प्रमुख मार्गों और यातायात संबंधी समस्याओं पर भी चर्चा हुई।

शोभागपुरा चौराहे के नामकरण पर नियमानुसार प्रक्रिया

विधायक ने कहा कि शहर में कई चौराहों का रखरखाव विभिन्न संस्थाएं वर्षों से कर रही हैं, लेकिन केवल मेंटेनेंस के आधार पर उन्होंने अपने स्तर पर उनका नामकरण नहीं किया। चौराहों के नाम स्थानीय जनभावनाओं और नियमानुसार प्रक्रिया के अनुरूप तय होने चाहिए। उन्होंने शोभागपुरा चौराहे के नामकरण के लिए भी सक्षम स्तर से स्वीकृति लेने पर जोर दिया। बैठक में यूडीए अधिकारियों ने इस प्रक्रिया को अपनाने पर सहमति जताई।

यूनिवर्सिटी रोड से शोभागपुरा तक हटेंगे अतिक्रमण

यूनिवर्सिटी रोड से शोभागपुरा चौराहे की ओर जाने वाले मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण की समीक्षा के दौरान

अधिकारियों ने बताया कि जिन हिस्सों में न्यायालय से स्थगन आदेश मिला हुआ है, उनके संबंध में यूडीए ने हाईकोर्ट की खंडपीठ में अपील की है। जिन हिस्सों पर कोई स्थगन आदेश नहीं है, वहां सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, शेष कार्य पूरा होने के बाद इस मार्ग का विस्तार किया जाएगा।

ठोकर चौराहे पर चरणबद्ध तरीके से होगा विस्तार

ठोकर चौराहे पर यातायात सुगम बनाने के लिए प्रतापनगर से सूरजपोल की ओर जाने वाले मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण का काम जारी है। अधिकारियों ने बताया कि यह काम कुछ दिनों में पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद सूरजपोल से प्रतापनगर की ओर जाने वाले मार्ग पर भी चौड़ीकरण किया जाएगा। इस हिस्से में यूडीए ने वन विभाग से जमीन खरीदी है।

पुरोहितों का तालाब रोड का काम 31 दिसंबर से पहले शुरू करने की तैयारी

पुरोहितों का तालाब क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, सड़क के दोनों ओर के अतिक्रमण हटाने और टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद 31 दिसंबर से पहले काम शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

ट्राइडेंट रोड पर इंटरलॉकिंग टाइल्स और पुलियों का विस्तार

ट्राइडेंट रोड पर सड़क के दोनों ओर करीब पांच-पांच फीट तक इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने की योजना है। मार्ग पर छोटी पुलियों को चौड़ा करने के लिए

भी टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने विधायक को बताया कि इन कार्यों से सड़क की उपयोगिता बढ़ेगी और यातायात को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

इंद्रलोक गार्डन में पार्किंग शुरू, रानी रोड को राहत की उम्मीद फतहसागर की रानी रोड पर अक्सर लगने वाले जाम की समस्या पर अधिकारियों ने बताया कि इंद्रलोक गार्डन में पार्किंग शुरू कर दी गई है। इससे सड़क किनारे वाहनों के दबाव को कम करने और यातायात व्यवस्था सुधारने में मदद मिलने की उम्मीद है।

न्यू आरटीओ रोड के बॉटलनेक का होगा समाधान

न्यू आरटीओ रोड से विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार तक मार्ग पर बने बॉटलनेक की समस्या भी बैठक में उठी। विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति और यूडीए अधिकारियों की संयुक्त बैठक कराई जाएगी, ताकि मार्ग पर यातायात की बाधा दूर की जा सके।

वंचित वार्डों में सीवरेज लाइन बिछाने की तैयारी

शहर विधानसभा क्षेत्र के उन वार्डों में सीवरेज लाइन बिछाने का मुद्दा भी उठा, जहां अब तक यह सुविधा उपलब्ध नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित क्षेत्रों के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। स्वीकृति मिलने के बाद शेष वार्डों में सीवरेज लाइन बिछाने का काम आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में यूडीए आयुक्त अभिषेक खन्ना, अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजीव शर्मा, वरिष्ठ अभियंता नीरज माथुर, निर्मल सुथार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

रेल पेंशनभोगियों के लिए नवंबर में लगेंगे डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र शिविर, उदयपुर सहित कई शहरों में होगी सुविधा



24 न्यूज अपडेट

अजमेर। उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल में रेल पेंशनभोगियों की सुविधा के लिए नवंबर में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कराने के विशेष शिविर लगाए जाएंगे। मंडल के लेखा एवं कार्मिक विभाग की ओर से राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी 5.0) अभियान के तहत 1 से 30 नवंबर 2026 तक यह पहल की जा रही है। इसके तहत अजमेर, उदयपुर, भीलवाड़ा, आबूरोड और पाली सहित विभिन्न स्थानों पर निर्धारित तिथियों में शिविर आयोजित होंगे। अभियान के तहत 2 नवंबर को बैंक ऑफ बड़ौदा की डब्ल्यूआर शाखा,

डीआरएम कार्यालय अजमेर में, 4 नवंबर को एसबीआई की स्पेशल ब्रांच, कलेक्ट्रेट अजमेर में और 5 नवंबर को एसबीआई की मुख्य शाखा, आबूरोड में शिविर लगेगा। 6 नवंबर को एसबीआई की मुख्य शाखा, सी-23 मधुवन, उदयपुर में पेंशनभोगी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करा सकेंगे। 12 नवंबर को बैंक ऑफ बड़ौदा की स्टेशन कैपस शाखा, अजमेर और स्टेशन अधीक्षक कार्यालय, भीलवाड़ा में शिविर आयोजित होंगे। 13 नवंबर को एसबीआई की मारवाड़ जंक्शन शाखा, पाली और 16 नवंबर को एसबीआई की मुख्य शाखा, रेलवे स्टेशन, भीलवाड़ा में यह सुविधा मिलेगी। 17 नवंबर को रेलवे अस्पताल, अजमेर में मेगा कैप

लगाया जाएगा।

उदयपुर में 19 नवंबर को शिविर

18 नवंबर को पंजाब नेशनल बैंक, सिनेमा रोड, अजमेर और एसबीआई की मुख्य शाखा, सोजत रोड में शिविर लगेगा। 19 नवंबर को स्टेशन अधीक्षक कार्यालय, उदयपुर में पेंशनभोगी प्रमाण पत्र जमा करा सकेंगे। 20 नवंबर को एसबीआई, तहसील रोड, मावली और स्टेशन अधीक्षक कार्यालय, अजमेर में शिविर आयोजित होंगे। 23 नवंबर को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, श्रीनगर रोड, अजमेर और डीआरएम कार्यालय, अजमेर में शिविर लगेगा। 25 नवंबर को एसबीआई, रानी (पाली) तथा एसबीआई की मुख्य शाखा, बस स्टैंड, आबूरोड में शिविर होंगे। अभियान के अंतिम चरण में 26 नवंबर को स्टेशन अधीक्षक कार्यालय, आबूरोड में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में आने वाले पेंशनभोगियों को अपने साथ पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) नंबर, आधार कार्ड, बैंक खाते का विवरण और मोबाइल फोन लाना अनिवार्य है। अजमेर मंडल के वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक अशोक कुमार मीणा और वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी मेघा गोदारा देव ने रेल पेंशनभोगियों से शिविरों का लाभ उठाने और समय पर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कराने की अपील की है।

पंच गौरव कार्यक्रम: उदयपुर में तैराकी प्रतिभाओं की तलाश, 30 अक्टूबर को तीन ब्लॉकों में टैलेंट सर्च

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 29 अक्टूबर। राजस्थान सरकार के पंच गौरव कार्यक्रम के तहत संचालित 'एक जिला एक खेल' योजना में उदयपुर जिले के लिए चयनित तैराकी खेल को बढ़ावा देने की कवायद तेज हो गई है। योजना के तहत ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों की उभरती खेल प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर दिया जाएगा। इसी क्रम में 30 अक्टूबर को खैरवाड़ा, नयागांव और ऋषभदेव ब्लॉक के खिलाड़ियों के लिए टैलेंट सर्च का आयोजन अतिथि पैलेस तरणताल में

किया जाएगा। जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि महाराणा प्रताप खेलगांव स्थित क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत तैराकी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, ब्लॉक स्तरीय चयन प्रतियोगिताएं आयोजित करने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने पर जोर दिया जा रहा है।

जनजातीय क्षेत्रों की प्रतिभाओं पर विशेष फोकस

योजना का उद्देश्य उदयपुर के चिह्नित जनजातीय ब्लॉकों में तैराकी की बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना

और स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच उपलब्ध कराना है। जिले के सात प्रमुख जनजातीय ब्लॉकों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। ब्लॉक स्तर पर होने वाले चयन के जरिए प्रतिभाशाली तैराकों को चिह्नित कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की योजना है। जिला खेल विभाग के अनुसार, इस पहल के तहत खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, खेल उपकरण और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाकर उदयपुर को तैराकी के क्षेत्र में नई पहचान दिलाना है।

मन की शुद्धि के बिना भक्ति और ज्ञान की प्राप्ति संभव नहीं : धर्माधिकारी सुधाकर साहेब



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। कबीरपंथी संस्था की ओर से आयोजित सहस्र कबीर चरितम कथा के चौथे दिन धर्माधिकारी सुधाकर साहेब ने सुहालका भवन में उपासना, ज्ञान और भक्ति के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उपासना चित्त की शुद्धि का माध्यम है। जब तक मन निर्मल नहीं होगा, तब तक सच्ची भक्ति और ज्ञान की प्राप्ति संभव नहीं है। कथा के दौरान संस्था अध्यक्ष भंवरलाल सुहालका

ने कथा श्रवण के लिए पहुंचे कबीरपंथियों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया। श्वेत वस्त्रों और सतनाम उपरणे में पहुंचे श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ कथा श्रवण में लीन नजर आए। धर्माधिकारी सुधाकर साहेब ने कहा कि मनुष्य सेवा, उपासना, पूजा-अर्चना और उपवास जैसे कर्मों के माध्यम से अपने चित्त को शुद्ध कर सकता है। मन की शुद्धता ही आध्यात्मिक उन्नति का आधार है। जब तक मन विषय-विकारों और अनावश्यक विचारों से मुक्त नहीं होगा, तब तक आत्मिक शांति और वास्तविक ज्ञान का मार्ग प्रशस्त नहीं हो सकता। कथा में महंत तपसी दास, कबीरपंथी संस्था के अध्यक्ष भंवरलाल सुहालका, बालचंद, रामप्रसाद, चंदन, गौरव (भीलवाड़ा), लोकेश चौधरी, कैलाश प्रजापत, गजेन्द्र, भगवती लाल चौधरी, भेरूलाल भोई, कन्हैयालाल दीवान, धर्मेन्द्र और नारायणलाल सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने कथा-प्रवचन का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ लिया।

श्रीनाथजी मंदिर में अन्नकूट महोत्सव की तैयारियों का शुभारंभ, पारंपरिक घन की सेवा शुरू



24 न्यूज अपडेट

नाथद्वारा। राजसमंद जिले के नाथद्वारा स्थित श्रीनाथजी मंदिर में आगामी अन्नकूट महोत्सव की तैयारियों का पारंपरिक घन की सेवा के साथ शुभारंभ हो गया। पुष्टिमार्गीय वल्लभ संप्रदाय की प्रधान पीठ में यह सेवा तिलकायत महाराज की आज्ञा और युवराज विशाल बाबा के निर्देशन में शुरू हुई। मंगला दर्शन के दौरान ब्राह्मण समाज के सेवकों ने पारंपरिक पदों के भाव के साथ सेवा का श्रीगणेश किया। इसके साथ ही मंदिर में पांच दिवसीय दीपोत्सव और अन्नकूट महोत्सव की तैयारियों ने गति पकड़ ली है। श्रीनाथजी की हवेली में सुबह मंगला दर्शन के दौरान विशेष धार्मिक माहौल रहा। 'अपने-अपने टोल कहत ब्रज वासिया' और 'सुरपति पूजा भेट राज गोवर्धन दिनो' पदों के भाव के साथ ब्राह्मण

समाज के सेवकों ने घन की सेवा शुरू की। इस अवसर पर अन्नकूट के मुखिया प्रवीण सांचीहर, प्रचारक रमेश सांचीहर, पंड्या परेश नागर, श्रीजी के मुखिया इंद्रवदन गिरनारा, प्रदीप सांचीहर और गिरीश सांचीहर सहित वरिष्ठ सेवक मौजूद रहे।

लकड़ी के भारी हथौड़ों से तैयार होती है भोग सामग्री अन्नकूट महोत्सव के लिए विशेष भोग सामग्री तैयार करने की प्रक्रिया पर्व से करीब 15 दिन पहले शुरू होती है। इसका पहला चरण घन की सेवा कहलाता है। इस पारंपरिक प्रक्रिया में मूंग और उड़द की दाल को लकड़ी के बड़े और भारी हथौड़ों से कूटकर तैयार किया जाता है। इसके लिए विशेष पारंपरिक औजार घन का उपयोग होता है। इसी औजार के नाम पर इस सेवा को घन की सेवा कहा जाता है।

एक माह पहले शुरू होती है दीपोत्सव की तैयारियां श्रीनाथजी मंदिर में पांच दिवसीय दीपोत्सव की तैयारियां करीब एक माह पहले शुरू हो जाती हैं। अन्नकूट महोत्सव से लगभग 15 दिन पहले प्रभु के लिए विशेष भोग सामग्री तैयार करने की प्रक्रिया शुरू होती है। घन की सेवा का शुभारंभ इसी परंपरागत तैयारी का महत्वपूर्ण चरण है। इसके साथ ही मंदिर में दीपोत्सव और अन्नकूट महोत्सव को लेकर धार्मिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।